



भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

अनुक्रमणिका

वानिकी समाचार

वर्ष 11 अंक 07
जुलाई 2019

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	परामर्शी	प्रदर्शनी
कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें	प्रशिक्षण कार्यक्रम	
प्रकृति कार्यक्रम	जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	समझौता ज्ञापन
राजभाषा गतिविधियां	गण्यमान्य के दौरे	महानिदेशक महोदय के दौरे
विविध	मानव संसाधन समाचार	

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- उत्तराखण्ड में पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग तथा उत्तरकाशी जिलों से चालीस स्वीपिंग प्रतिदर्श एकत्रित किए गए। विभिन्न वानिकी वृक्षों यथा *एलसटोनिआ स्कोलेरिस*, *मुरराया कोएनिगि*, *पौपुलस* प्रजा., *कैसिया फिस्टुला* तथा *क्वर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा* से कीट लार्वा एवं एपेनटेलस कोकुन के 15 प्रतिदर्श उनके प्रयोगशाला पालन के लिए एकत्रित किए गए, जो कि एपेनटेलस प्रजा. के उद्भव के लिए जारी रहा। बाइस *एपेनटेलस* प्रजा. की छटनी की गई। दो एपेनटेलस प्रजातियों को प्रजाति स्तर : *ए. केनिएइ* एवं *ए. प्रोडिनेएइ* तक चिह्नित किया गया जिन्हें शीशम निष्पत्रक : *प्लीकोटेरा रिप्लेक्सा* एवं *हाइपोसिड्रा* प्रजा. से पाला गया था।
- देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, तथा उत्तरकाशी से विभिन्न वानिकी वृक्षों यथा *एकेशिया* प्रजा., *एब्रोमा अगस्टम*, *कैसिया फिस्टुला*, *डलबर्जिया सिस्सु*, *होलोप्टेलिआ इण्टेग्रिफोलिआ*, *मैल्लोटस फिलिप्पेनसिस*, *पोपुलस डेल्टोइड्स*, *क्वर्कस फ्लोरीबण्डा*, *क्वर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा* तथा *टेक्टोना ग्राण्डिस* से कीट अण्डों के कुल अड़तालीस प्रतिदर्श एकत्रित किए गए। एकत्रित अण्ड समूहों व स्वीपिंग प्रतिदर्शों से 6 अण्ड परजीव्याभों का उद्भव हुआ और उनकी छटनी की गई तथा प्रतिदर्शों को प्रजाति स्तर तक चिह्नित किया गया : *होलोप्टेलिए इण्टीग्रिफोलिआ*

पर खटकीट के अण्डों से *ट्रिस्सोलकस* प्रजा., शीशम पर्ण रोलर से *यूलोफिड*, ओक पर्ण रोलर से *यूलोफिड* व ओक पर्ण रोलर से *बेरीकोनस* प्रजा. तथा एकत्रित स्वीपिंग प्रतिदर्शों से *बेरीकोनस* प्रजा. तथा *ट्रिस्सोलकस* प्रजा. की छटनी की गई।

- मानसून ऋतु के दौरान चमोली जिले (जोशीमठ-तपोवन-मलारी-नीति-हनुमान चट्टी-माणा ग्रामों); केदारनाथ वन्यजीव अभयारण्य तथा रुद्रप्रयाग जिला (मक्कुमठ-दुग्गलबिट्टा) में क्षेत्र सर्वेक्षण किए गए। 8 वन उप प्रकारों के 13 ट्रान्जेक्टों से नमूने लिए गए। कुल 47 प्रजातियों के नमूने लिए गए तथा असामान्य एवं दुर्लभ तितलियों की प्रजातियों के 22 प्रतिदर्शों को एकत्रित एवं परिरक्षित किया गया। अभिज्ञान के लिए विभिन्न वन उप-प्रकारों से वृक्षों एवं शाकों की 23 प्रजातियों के हर्बेरियम प्रतिदर्श भी एकत्रित किए गए। देहरादून जिले के चकराता वन प्रभाग में एक क्षेत्र सर्वेक्षण भी किया गया। 1 वन उप-प्रकार के 1 ट्रान्जेक्ट में नमूने लिए गए। 6 प्रतिदर्शों के एकत्रण के साथ कुल 11 प्रजातियों के नमूने लिए गए। तितलियों के आंकड़ा-संचय को अद्यतन करने के साथ-साथ दौरा करने/नमूना लेने के लिए मसूरी वन प्रभाग, चमोली जिला (जोशीमठ-मलारी-नीति-माणा-केदारनाथ अभयारण्य) तथा देववन आरक्षित वन, चकराता वन प्रभाग, देहरादून जिले के क्षेत्रों के विभिन्न वन उप-प्रकारों के भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित कृत्रिम रंग के समेकित मानचित्र सृजित किए गए।

- मानसून ऋतु के दौरान नवीन नाशीकीटों तथा काष्ठ वेधकों द्वारा क्षति की व्यापकता को दर्ज करने के लिए वृक्ष परिध प्रस्तम्भ उंचाई, घनत्व तथा वानस्पतिक संरचना व संक्रमण को ज्ञात करने के लिए 45 क्वाड्रेट्स (10mb X 10m) निर्धारित कर उत्तराखण्ड के चकराता वन प्रभाग (देवबन आर एफ) में खारसु (*क्यू. सेमीकार्पिफोलिया*) पर दस दिनों का क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। खारसु वनों से *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलीजिनोसिस* वेधक द्वारा संक्रमित 6 कुन्दे एकत्रित किए गए तथा ब्राकोनिड एवं इकन्यूमोनिड परजीव्याभों के साथ जीवन चक्र अध्ययन के लिए व.अ.सं., देहरादून की प्रयोगशाला में लाए गए। देवबन आर एफ से अन्य काष्ठ संक्रमित भृंगों यथा *नेसीडेलिस इण्डिकोला* तथा अचिह्नित सिराबिसिड्स के साथ-साथ सैटरनिडि शलभ के 6 लेपीडोप्टेरन लार्वा भी एकत्रित किए गए। खारसु ओक पर द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ इन्सटार लार्वल चरणों के लिए एक सिरामबिसिड तना वेधक *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलीजिनोसिस* के जीवन चक्र पर पालन प्रयोग जारी रहे। टिहरी गढ़वाल जिले की सीमा पर देहरादून के थानो रेन्ज के डालाखेत क्षेत्र में बन ओक, *क्वर्क्स ल्यूकोट्राइकोफोरा* में ओक पर्णों व वृक्षों में शीथलन एवं शुष्कन की जाँच के लिए एक क्षेत्र सर्वेक्षण भी किया गया। वेधक द्वारा संक्रमित कुन्दे एकत्रित किए गए तथा वेधक के जीवन इतिहास पर अग्रेतर अध्ययनों के लिए प्रयोगशाला में लाए गए।
- क्लोसटेरा क्यूप्रेटा* के एकत्रण के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में एक दौरा किया गया तथा विभिन्न पोपलर के खेतों के अवलोकन किए गए। रुड़की में काष्ठ उत्पादन क्षति पर प्रयोग किया गया। पोपलर के दस कृन्तकों पर *क्लोसटेरा क्यूप्रेटा* के जीव विज्ञान पर अध्ययन के लिए प्रयोग किए गए।
- ग्रीविआ आस्टिवा* का सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण व वृक्षसंख्या को सभी तीन अध्ययन स्थलों यथा काली प्रखण्ड, देहरादून में जिसाउ, खराया, चण्डाउ, मलहाउ व टिपउ ग्राम; रानीखेत अल्मोड़ा में वालना, खडगोली, खारच्यूली व रिखोली ग्राम तथा यमकेश्वर प्रखण्ड, पौड़ी गढ़वाल में कण्डी, कोलसी, ढुंगा, विथ्यानी, ढुंगाधर, अमगाँव तथा थंगर ग्रामों में दर्ज किया गया। उपर्युक्त के अतिरिक्त, शेष टहनियों के लिए वृक्षों का कर्तन किया गया, प्रत्येक उपचार पर कोपलों की संख्याओं की गणना की गई, प्रत्येक उपचार पर चारे की मात्रा मांपी गई तथा वन अनुसंधान संस्थान की प्रयोगशाला में रेशा एवं सेपोनिन निर्धारण के लिए नमूने एकत्रित किए गए।
- शुष्क परिस्थितियों में ग्वार गम का क्वाटरनाइजेशन किया गया। 0.1 का DS प्राप्त किया गया। पथप्रदर्शी स्तर पर अभिक्रिया पूर्ण-संपन्न है।
- चेमाइमेलम नोबाइल (रोमन चेमोमिल)* से सगंध तेल का निष्कर्षण किया गया। सगंध तेल के पूर्ण विश्लेषण ने *ब्यूटाइल टिगलेट* को मुख्य यौगिक के रूप में दर्शित किया।
- चीड़ पाइन वनों में पश्च-वनाग्नि के बाद पर्णपात के प्राथमिक अध्ययन ने प्रकट किया कि चीड़ पाइन वनों में गर्मियों में पर्णपात अधिकतम व सर्दियों में न्यूनतम था, तथा वर्षभर जारी था। गढ़वाल क्षेत्र के लैंसडाउन वन प्रभाग के लैंसडाउन वन रेंज के फारसुला बीट में वार्षिक पर्णपात अदग्ध में अधिकतम 7208 कि.ग्रा./है. तथा न्यूनतम दग्ध वनों में 2098 कि.ग्रा./है. था। उत्तराखण्ड के कुमाऊं क्षेत्र के नैनीताल वन प्रभाग के भवाली रेंज के सरना बीट में वार्षिक पर्णपात अदग्ध में 6538 कि.ग्रा./है. तथा न्यूनतम 2917 कि.ग्रा./है. दग्ध चीड़ पाइन वनों में था।
- उत्तराखण्ड के विभिन्न वन प्रकारों में वानस्पतिक अध्ययन किया गया तथा अधिकतम वृक्ष घनत्व 440 वृक्ष/है. हिमालयन आर्द्र शीतोष्ण बन ओक (*क्वर्क्स ल्यूकोट्राइकोफोरा*) वन, चैलुसेन बीट, लैंसडाउन वन रेंज, लैंसडाउन वन प्रभाग, डुआरीखाल, पौड़ी गढ़वाल में था, तत्पश्चात 390 वृक्ष/है. उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वनों; C2B i) देहरादून साल (*शोरिया रोबस्टा*) वन, गोल तप्पड़, बड़कोट वन रेंज, देहरादून वन प्रभाग में था, उष्णकटिबंधीय जल दलदल डायोस्पासरोयस पेरीग्रेना में 330 वृक्ष/है. तथा फोइबे लेनसिओलेटा वन, तीन पानी, बड़कोट वन रेंज, देहरादून वन प्रभाग तथा उत्तराखण्ड के टोंस वन प्रभाग के सिंगटुर रेंज के हिमालयी उप उष्णकटिबंधीय पाइन वनों, चीड़ पाइन वनों (*पाइनस रोक्सबर्घाई*) वनों में 320 वृक्ष/है. था।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- नीम, अरडु तथा रोहिड़ा के नवांकुरों, कॉपिस तथा परिपक्व पादपों के मध्य प्राक्कलित प्रकाश संश्लेषी दर ने सभी तीन प्रजातियों के बीजू कॉपिस तथा परिपक्व पादपों के मध्य महत्वपूर्ण भिन्नता प्रकट की। अरडु (13.22 $\mu\text{molm}^{-2}\text{s}^{-1}$), रोहिड़ा (11.20 $\mu\text{molm}^{-2}\text{s}^{-1}$) तथा नीम (9.35 $\mu\text{molm}^{-2}\text{s}^{-1}$) के कॉपिस पादपों में उच्चतम प्रकाश संश्लेषी दर महसूस की गई जबकि यह नवांकुरों में निम्नतम थी।

परामर्शी

टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथोरिटी; प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी. सी. लि., नोएडा; एन.एम.डी.सी.लि., हैदराबाद; सिंगरेनी कोल्लिएरिज कम्पनी लि., कोठागुडेम; छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर तथा वन एवं पर्यावरण विभाग, भुवनेश्वर द्वारा प्रदत्त दस परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ. शि.प., देहरादून वर्तमान में कार्य कर रहा है।

प्रदर्शनी

संस्थान	प्रतिभाग	समयावधि	स्थान
व.अ.सं., देहरादून	डेस्टीनेशन उत्तराखण्ड – 2019	18 से 20 जुलाई	उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, देहरादून



व.अ.सं., देहरादून ने डेस्टीनेशन उत्तराखण्ड – 2019 में प्रतिभाग किया

कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
1.	वर्ष 2019–2020 के लिए क्रियान्वित क्रियाकलापों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ नेटवर्किंग	25 जुलाई 2019	पंजाब, हरियाणा, उत्तराखण्ड तथा उत्तराखण्ड के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रतिभागी
2.	वर्ष 2019–2020 के लिए क्रियान्वित क्रियाकलापों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ नेटवर्किंग	5 जुलाई 2019	उत्तराखण्ड के हितधारक
3.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से यमुना नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	27 जुलाई 2019	सभी हितधारक

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

4.	आवधिक अनुसंधान संगोष्ठी	12 जुलाई 2019	कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता, क्षेत्र सहायक, अनुसंधान अध्येता
5.	संरक्षण एवं आनुवंशिक सुधार प्रयासों का मार्ग प्रदर्शित करने के लिए सागौन एवं चन्दन में अनुकूलनीय आनुवंशिक विविधता का आकलन	19 जुलाई 2019	विभिन्न विश्वविद्यालयों/संगठनों से प्राध्यापक तथा वैज्ञानिक
6.	नीलगिरी जिले तथा सम्भावित हरित कौशल विकास कार्यक्रम पाठ्यक्रमों में जीनोम रिअरेंजमेण्ट आइडेण्टिफिकेशन साफ्टवेयर सुइट (GRIDSS) का क्रियान्वयन	22 जुलाई 2019	वैज्ञानिक
7.	डेल्टीय मैंग्रोव का संरक्षण एवं प्रबंधन	26 जुलाई 2019	व.आ.वृ.प्र.सं. के कर्मचारी



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित परियोजना "संरक्षण एवं आनुवंशिक सुधार प्रयासों का मार्ग प्रदर्शित करने के लिए सागौन एवं चन्दन में अनुकूलनीय आनुवंशिक विविधता का आकलन" के सूत्रपात पर बैठक



डेल्टीय मैंग्रोव का संरक्षण एवं प्रबंधन पर संगोष्ठी

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

8.	पश्चिमी राजस्थान में वर्धित जैवविविधता एवं लोगों की जीविका के लिए वर्षा जल संचयन, वनीकरण तथा मृदा में संसोधनों से निम्नीकृत अरावली पहाड़ियों का पुनरुद्धार	26 जुलाई 2019	वैज्ञानिक, अभियंता, तकनीशियन, कृषक एवं प्रशासनिक इत्यादि
9.	गुजरात एवं राजस्थान में वन सीमांतों का वन संसाधन निर्भरता तथा पारिस्थिकीय आकलन	30 जुलाई 2019	वैज्ञानिक, वन अधिकारी, अकादमीशियन, अध्येता इत्यादि

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

10.	SWOT तथा AHP आधारित निर्णयन विधियों से जीविका सूत्रपात तकनीकियों का आकलन	02 जुलाई 2019	टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, गुवाहाटी के छात्र
-----	--	---------------	---

11. वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से ब्रह्मपुत्र नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण

19 जुलाई 2019

ब्रह्मपुत्र नदी घाटी के लोग

12. ईको-ट्राइब पवित्र वृक्षारोपण मिशन

23 जुलाई 2019

ग्रामीण, सरकारी संगठन, स्वयं सहायता समूह, विद्यालय के छात्र तथा गैर सरकारी संगठन



राज्य स्तरीय परामर्शी बैठक : मेघालय



ईको-ट्राइब पवित्र वृक्षारोपण मिशन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

13. UNESCO MAB Net अभिलेख के लिए शीत मरुस्थल जैव आरक्षित क्षेत्र पर कार्यशाला

26 जुलाई 2019

राज्य वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, पशु पालन विभाग के प्रतिनिधि, कृषि, उद्यान, पर्यटन, HIMCOSTE, HPBB, ग्रामीण विकास विभाग, केन्द्र सरकार के संगठन, विश्वविद्यालय, गैर सरकारी संगठन, हि.व.अ.सं. के वैज्ञानिक एवं अधिकारी



UNESCO MAB Net अभिलेख के लिए शीत मरुस्थल जैव आरक्षित क्षेत्र पर कार्यशाला

- | | | | |
|-----|--|---------------|--|
| 14. | वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से झेलम नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण | 24 जुलाई 2019 | जम्मू एवं कश्मीर के हितधारक |
| 15. | अनुसंधान संगोष्ठी | 30 जुलाई 2019 | हि.व.अ.सं. से वैज्ञानिक, तकनीकी कार्मिक एवं शोधार्थी |



झेलम नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण पर प्रथम परामर्शी बैठक



मासिक अनुसंधान संगोष्ठी

वन उत्पादकता संस्थान, राँची

- | | | | |
|-----|--|---------------|--|
| 16. | झारखण्ड के संरक्षित क्षेत्रों में कार्बन पृथक्करण स्वरूप | 16 जुलाई 2019 | अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी तथा छात्र |
|-----|--|---------------|--|

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. सं.	विशय	समयावधि	लाभार्थी
वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर			
1.	पादप ऊतक संवर्धन	4-5 जुलाई 2019	अनुसंधान एवं विस्तार वृत्त, इन्दौर, मध्य प्रदेश के कर्मचारी
2.	कोयम्बटूर, तमिलनाडु के वन सीमांत ग्रामों में ईरूलर जनजातियों के लिए ट्री रिच बायोबूस्टर के विकास पर क्षमता निर्माण : जीविका समर्थन का एक वैकल्पिक स्रोत	15 जुलाई 2019	ईरूलर जनजाति, अनाइकुट्टी, कोयम्बटूर जिले के सेनाकुट्टई, कुलीयर, गोपनरी, पट्टावयल तथा मएलपावी ग्रामों के महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्य



कोयर पिथ डिस्क मेकिंग मशीन को संचालित करने पर महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्य प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए



पवनरोधी वृक्ष प्रजातियों पर प्रशिक्षण

3. पवनरोधी वृक्ष प्रजातियां 24 जुलाई 2019 कैला उत्पादक कृषक

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

4. ग्रामीण आँगनों में जड़ी बूटी उद्यान की स्थापना 10 जुलाई 2019 आंगनवाड़ी महिलाएं (कुंडलीकाला)
पर एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

5. बाँस उपचार गृह निर्माण तथा जागरूकता 8-10 जुलाई 2019 -
सृजन

6. पौधशाला तकनीकियां 10-24 जुलाई 2019 वन कर्मचारी, ई.डी.सी. तथा पूर्वी
असम वृत्त के सात वन प्रभागों के
जे.एफ.एम.सी. सदस्य

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

7. वानिकी के विभिन्न पहलुओं पर क्षमता निर्माण 22-24 जुलाई 2019 सरहन वन्यजीव प्रभाग (हि.प्र.) के
अधिकारी तथा अग्रपंक्ति कार्मिक



वानिकी के विभिन्न पहलुओं पर क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण

प्रकृति कार्यक्रम

- व.अ.सं., देहरादून ने 6 जुलाई 2019 को जवाहर नवोदय विद्यालय, शंकरपुर, सहसपुर, देहरादून के छात्रों के लिए एक वानस्पतिक अन्वेषण/पक्षी दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। वानस्पतिक अन्वेषण, कीट एवं पक्षी दर्शन कार्यक्रम के लिए 52 जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों के एक समूह को विद्यालय के निकटवर्ती वन क्षेत्र में ले जाया गया।
- केन्द्रीय विद्यालय बी.ई.जी. एण्ड सी. रुड़की के शिक्षकों के नेतृत्व में 49 केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों ने 8 जुलाई 2019 को व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया। विभिन्न संग्रहालयों के दौरे के दौरान, केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों की शंकाओं को संबंधित वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने संग्रहालयों में स्पष्ट किया।
- प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत, 23 जुलाई 2019 को केन्द्रीय विद्यालय, उ.व.अ.सं. में उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा तथा जवाहर नवोदय विद्यालय सिन्गोड़ी, छिंदवाड़ा में व.अ.के.-कौ.वि., छिंदवाड़ा द्वारा वन महोत्सव आयोजित किया गया।

- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने केन्द्रीय विद्यालय, आई.आई.टी. जोधपुर के छात्रों के लिए 20 जुलाई 2019 को आयोजित वानिकी व्याख्यान एवं वृक्ष रोपण अभियान में प्रतिभाग किया।
- केन्द्रीय विद्यालय, जाखो हिल्स, शिमला के 11वीं तथा 12वीं के 35 छात्रों तथा 35 संकाय सदस्यों ने 4 जुलाई 2019 को हि.व.अ.सं., शिमला का दौरा किया। हि.व.अ.सं., शिमला के वैज्ञानिकों ने छात्रों तथा संकाय सदस्यों को पावर पाइण्ट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से "जैवविविधता" के बारे में विस्तृत सूचना प्रदान की। छात्रों ने वैज्ञानिकों से वार्तालाप करते हुए गहन रुचि एवं उत्सुकता प्रदर्शित की।
- हि.व.अ.सं., शिमला ने 25 जुलाई 2019 को जवाहर नवोदय विद्यालय, खानपोरा, जिला – बड़गाम, जम्मू एवं कश्मीर के 60 छात्रों को वानिकी एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रकृति कार्यक्रम आयोजित किया।
- व.उ.सं., राँची ने 25 जुलाई 2019 को जवाहर नवोदय विद्यालय, खुण्टी, झारखण्ड में "वानिकी जागरूकता" पर प्रकृति कार्यक्रम आयोजित किया।
- व.उ.सं., राँची ने 26 जुलाई 2019 को जवाहर नवोदय विद्यालय, तेनुघाट, बोकारो, झारखण्ड में "वानिकी जागरूकता" पर प्रकृति कार्यक्रम आयोजित किया।



जवाहर नवोदय विद्यालय, सहसपुर, देहरादून में वन महोत्सव का आयोजन



केन्द्रीय विद्यालय, जाखो हिल्स के छात्र

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां यथा बाँस कृषि, प्रवर्धन, पौधशाला, प्रबंधन, मूल्य वर्धन तथा बाँस परिरक्षण तकनीकियां, जैव प्रौद्योगिकी एवं ऊतक संवर्धन, लाख कृषि, वानस्पतिक बाग, और्चिडेरियम, कृमि खाद इत्यादि पर 12 जुलाई 2019 को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न ग्रामों से 72 छात्रों एवं परिवार के सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने प्रदर्शन ग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत, ग्राम धूलकोट में 17 से 19 जुलाई 2019 को "बाँस को उगाने एवं उपयोजन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। विभिन्न श्रेणियों यथा कृषकों, छात्रों तथा गैर सरकारी संगठनों से चालीस प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।



प्रदर्शन ग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम धूलकोट, देहरादून में "बाँस को उगाने एवं उपयोजन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

समझौता ज्ञापन

- वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्) ने 19 जुलाई 2019 को रोपण वानिकी में सहयोगी अनुसंधान के लिए तमिलनाडु फॉरेस्ट प्लांटेशन कॉर्पोरेशन (TAF CORN), तिरुचिरापल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया। श्री आर. के. उपाध्याय, भा.व.से., प्रधान मुख्य वन संरक्षक, प्रमुख वन बल तथा अध्यक्ष, तमिलनाडु फॉरेस्ट प्लांटेशन कॉर्पोरेशन ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। डॉ. मोहित गेरा, भा.व.से., निदेशक, व.आ.वृ.प्र.सं, कोयम्बटूर तथा श्री के. वी. गिरिधर, प्रबंध निदेशक, तमिलनाडु फॉरेस्ट प्लांटेशन कॉर्पोरेशन ने उनकी उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर तथा केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने 25 जुलाई 2019 को लूनी नदी घाटी क्षेत्र में वानिकी हस्तक्षेपों के लिए मानचित्रण तथा सबसे संवेदनशील क्षेत्र के आकलन हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।



वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर ने तमिलनाडु फॉरेस्ट प्लांटेशन कॉर्पोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

राजभाषा गतिविधियां

- सरकारी क्षेत्र के अंतर्गत कार्यालयों की श्रेणी में, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय – 2), शिमला (सतलुज जल विद्युत कार्पोरेशन लिमिटेड कार्यालय) ने वर्ष 2018–19 के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए हि.व.अ.सं, शिमला को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया।

गण्यमान्य का दौरा

- श्री आर. कमलाकन्नन, माननीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री, शिक्षा एवं जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, पुडुचेरी सरकार ने 15 जुलाई 2019 को वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर का दौरा किया।
- जल पुरुष, डॉ. राजेन्द्र सिंह (मैगसेसे पुरस्कार प्राप्तकर्ता) ने 4 जुलाई 2019 को वन अनुसंधान केन्द्र – कौशल विकास का दौरा किया।



माननीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री, शिक्षा एवं जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, पुडुचेरी सरकार ने वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर का दौरा किया



डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने मणिपुर, इम्फाल के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रमुख वन बल के साथ बैठक में भाग लिया

महानिदेशक महोदय के दौरे

- डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने 11 एवं 12 जुलाई 2019 को व.उ.सं., राँची का दौरा किया तथा संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अनुसंधान कार्मिकों से वार्तालाप की ।
- डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. तथा डॉ. आर.एस.सी. जयराज, निदेशक, व.व.अ.सं., जोरहाट ने 25 जुलाई 2019 को नगालैण्ड के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रमुख, वन बल से उनके कार्यालय कोहिमा में तथा 26 जुलाई 2019 को मणिपुर के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रमुख वन बल से उनके कार्यालय इम्फाल में एक बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने 26 जुलाई 2019 को FEEDS, सेनापति, मणिपुर का दौरा किया । डॉ. आर.एस.सी. जयराज, निदेशक, डॉ. आर. के. बोरा, वैज्ञानिक – एफ तथा श्री नीरेन दास, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी भी महानिदेशक महोदय के साथ थे ।

विविध

संस्थान	विदेश दिन / विषयवस्तु	समयावधि
व.उ.सं., राँची		5 जुलाई 2019
व.अ.सं., देहरादून	वन महोत्सव	22 जुलाई 2019
हि.व.अ.सं., शिमला		30 जुलाई 2019
शु.व.अ.सं., जोधपुर		31 जुलाई 2019

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति

अधिकारी का नाम

डॉ. शेर सिंह सामंत, निदेशक, हि.व.अ.सं., शिमला
श्री एम.पी. सिंह, भा.व.से., निदेशक, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु

तिथि

08.07.2019
16.07.2019

सेवानिवृत्ति / स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम

श्री एन.सी.एम. राजन, वैज्ञानिक – 'डी', का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु
डॉ.(सुश्री) मालबिका रे, वैज्ञानिक – 'डी', व.उ.सं., राँची
श्रीमती जी. विजयलक्ष्मी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति), का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु
श्री कुलदीप सिंह पयाल, एस.ओ., व.अ.सं., देहरादून

तिथि

31.07.2019
31.07.2019
31.07.2019
31.07.2019

संरक्षक

अधिकारी का नाम

श्री बेगा राम जाट, उप वन संरक्षक

तिथि

31.07.2019

स्थानांतरण

अधिकारी का नाम

श्री सुनील वामन भोंडगे, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी
श्री अनुग्रह त्रिपाठी, तकनीकी अधिकारी

से

हि.व.अ.सं.
व.अ.सं.

को

भा.वा.अ.शि.प.
भा.वा.अ.शि.प.

तिथि

15.07.2019
23.07.2019

संरक्षक:

डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडल:

श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।
